Notes

1992 मे राष्ट्रीय शिक्षा नीति का पुर्नरीक्षण आया, जिसे कार्यान्वन कार्यक्रम 1992 (Programme of Action 1992) के नाम से जाना गया। जनजातीय शिक्षा से संबंधित सिफारिशे थी-

- जनजातियों के क्षेत्रो में 8वीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक प्राईमरी स्कूल खोलने का लक्ष्य रखा गया।
- छात्रवृत्ति देने के लिए बैंक/पोस्ट ऑफिस से संलग्न कराया गया।
- जनजातीय भाषा में साहित्य उपलब्ध कराया जाए।
- जनजातीय विद्यालयों को operation black board के अन्तर्गत विकसित किया जाए।
- शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाए।
- बालिकाओं के लिए अतिरिक्त छात्रवृत्ति का प्रावधान किया जाए। इसके अलावे -

जनजातीय शिक्षा को व्यवसायिक रूप देने के लिए सरकार ने व्यवसायिकरण कार्यक्रम (Vocationalization Programme) भी चलाया गया। ये कार्यक्रम 1986 एवं 1992 की नीतियों की सिफारिशों के क्रियान्वयन के लिए किया गया। सन 2000 में सरकार द्वारा संचालित सर्वशिक्षा अभियान, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान एवं राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियानों आदि ने भी जनजातीय शिक्षा के लिए योगदान दिया है।